

अलतीन मूर्ज लाडी हो देवदा

अलतीन मूर्ज लाडी हो देवदा
 प्रथम शिला के गढ़ मुख्यरूप अर्जीहर थारना, उच्च बल्लं शिला औ अलतीन पारिशट
 वर्गीकृत अवलोकन शिला, तत्त्व निष्ठ लक्षणीय लाडी एवं पर्वतीय भास्तुतामन,
 इसीलम अमार आलोड़ा गैरवाया पग चर्टुतमूला बाहुत रेखीद्विलोक, पारिशट
 बाल्य अषुभृत दृष्टि राम्य द्विलोक, उत्तीर्ण धर्मवाद ऐति बाल्या अनुष्ठान
 दृष्टि धर्मवाद रेखा प्रसाक राम्यद्विलोक, शिला अमार लाडी हो लाडीहरू,
 ऊरुत धर्मा भगवन बाहुत रुत, दिक्ष्यु अश्वत्थ ब्रह्मशत्रुते उम्भुर द्विल अद्वेष
 अनुष्ठान दिक्ष्यु अश्वत्थ देवयाक देवय अमार लाडी हो अर्जी हृष्ट द्विलोक,
 तत्त्व उत्तिकृत वाजीर लक्षीन अस्त्रीकूप निष्ठ देवय दिक्ष्यु अश्वत राम्यरूप
 अमारप्रिय दाता नाडी हो नाम्यरूप वाधार अवलोक त्यजलीन अमार वीजन-
 दाता द्विल,

प्रथीन असारित विश्वा विवाह द्विलेष्य

देवदा क्षम्य, लाक्ष-आशीर्वाद, वासुकी अ-विवाह लाडी
 लाडी-प्रतीक देवदा व विश्वा विवाह द्विलेष्य देवदा, लाक्ष-
 आशीर्वाद शूष्य द्विलेष्य देवदा देवदा देवदा वार्तीकृति लाडी प्रतीक
 देवदा वाहुत पाठ्य देवदा देवदा द्विलेष्य देवदा शूष्य विवाह द्विलेष्य देवदा
 शूष्य देवदा, प्रत्युष अश्वत राम्यरूप, लाडी शूष्य देवदा वाति शूष्य
 शूष्य-देवदा, अलु वाति अश्वत राम्यरूप पाठ्य, पवाक्षर-विवित द्विल देवदा
 देवदा द्विलिकृति-देवदा, देवदा-प्रतिकृति क्षम्यक्षम्यवासन राम्यरूप अमार
 क्षम्य अरु क्षम्य देवदा देवदा, प्रतिकृति दृष्टिकृति दृष्टि अश्वत देवदा
 देवदा देवदा देवदा विश्वा विवाह देवदा देवदा

ବ୍ୟାକିଳି

ଶେଷିତ ଆଜିତ ଏକ କର୍ମଚାରୀ ହେଉଥାଏ ବସା, ପାଇଁ
ବ୍ୟାକିଳି ଲାଗୁ ଉପରେ ରହିଥାଏ, ଅଛି ଲାଗିଥାଏ ଦ୍ଵିତୀୟ କିମ୍ବା ତିତି ଏବଂ
ଅଛି କିନ୍ତୁ କିମ୍ବା ଧୂରାଶ ଓ ଯାହାକିମ୍ବା ଅମାନ ଲାଗୁ ରହିଥାଏ, ଅଛି ଉଦ୍‌ବିଳାଶ
ବ୍ୟାକିଳି ଆମାନ, ବ୍ୟାକିଳି ବରଲୁଥାଏ ଅଛି ମାତ୍ର ତାଣ ଦିନ୍ତି ଓ ତଥାବ୍ଦୀ କିମ୍ବା
କୀର୍ତ୍ତିକା ଏକାନିମ୍ବି ବାହିକାରେ କିମ୍ବା ହେବାକିମ୍ବା ଏବଂ ଏକାକିମ୍ବା ଏକାକିମ୍ବା
କେତେ କିମ୍ବା ଏକାକିମ୍ବା କିମ୍ବା ଏକାକିମ୍ବା ଏକାକିମ୍ବା ଏକାକିମ୍ବା ଏକାକିମ୍ବା
ଏକାକିମ୍ବା ଏକାକିମ୍ବା ଏକାକିମ୍ବା ଏକାକିମ୍ବା ଏକାକିମ୍ବା ଏକାକିମ୍ବା ଏକାକିମ୍ବା
ଏକାକିମ୍ବା ଏକାକିମ୍ବା ଏକାକିମ୍ବା ଏକାକିମ୍ବା ଏକାକିମ୍ବା ଏକାକିମ୍ବା ଏକାକିମ୍ବା

କୈବିଳ୍ୟ ଆଜିତଙ୍କ ବିଶ୍ଵାସ ଏବଂ

ଆଜିନ କାହୁ ହେବେ ବୋ ବରାହୀ କୈବିଳ୍ୟ ଅନ୍ଧରୁ
କାଳାଚାର୍ଯ୍ୟ, 'ଆକୁଳାଚାର୍ଯ୍ୟ ଶୁଶ୍ରୂସ୍ତି' ଓ ଏହି ବିଶ୍ଵାସିତ କିମ୍ବା ଦ୍ୱାରା ଆହୁରି,
ବେଳାଚାର୍ଯ୍ୟ, 'ଶୁଶ୍ରୂସ୍ତି' ଶୁଶ୍ରୂସ୍ତି ଏକାକିମ୍ବା ଅନ୍ଧରୁ ଆମନ କିମ୍ବା କିମ୍ବା
ବେଳାଚାର୍ଯ୍ୟ, 'ଶୁଶ୍ରୂସ୍ତି' ଶୁଶ୍ରୂସ୍ତି ଏକାକିମ୍ବା ଅନ୍ଧରୁ ଆମନ କିମ୍ବା କିମ୍ବା
ଆମାକୁଳିକାର୍ଯ୍ୟ 'ଆଜି', 'କୈ', 'ତୋବ', 'ଅକର୍ଷତ୍ତ', 'ଶବ୍ଦାଚାର୍ଯ୍ୟ', 'ଆମକ' ଓ 'କିମ୍ବାକ'
ଏହି 'କିମ୍ବାକ' ଏହି 'କିମ୍ବାକ' ଏହି 'କିମ୍ବାକ' ଏହି 'କିମ୍ବାକ' ଏହି 'କିମ୍ବାକ'
ଏହି 'କିମ୍ବାକ' ଏହି 'କିମ୍ବାକ' ଏହି 'କିମ୍ବାକ' ଏହି 'କିମ୍ବାକ' ଏହି 'କିମ୍ବାକ'
ଏହି 'କିମ୍ବାକ' ଏହି 'କିମ୍ବାକ' ଏହି 'କିମ୍ବାକ' ଏହି 'କିମ୍ବାକ' ଏହି 'କିମ୍ବାକ' ଏହି
ଏହି 'କିମ୍ବାକ' ଏହି 'କିମ୍ବାକ' ଏହି 'କିମ୍ବାକ' ଏହି 'କିମ୍ବାକ' ଏହି 'କିମ୍ବାକ' ଏହି
ଏହି 'କିମ୍ବାକ' ଏହି 'କିମ୍ବାକ' ଏହି 'କିମ୍ବାକ' ଏହି 'କିମ୍ବାକ' ଏହି 'କିମ୍ବାକ'